



SAFALTA CLASSTM

An Initiative by **अमरउजाला**

HISTORY BY- SUJEET BAJPAI SIR



About Harsh Vardhan

- He took his capital from Thaneshwar to Kannauj.
- Harsha wrote three books- Ratavali, Priyadarshika, Naganand
- Chinese traveller Hiuntsang harsh Vardhan came to India during the time.

एवमैव
HR

UP

हर्षवर्धन
=

- ★ प्रसिद्ध कवि बाणभट्ट इसके दरबार में उपस्थित थे ।
- ★ The famous poet Banabhatta was present at its court.
- ★ बाणभट्ट ने दो पुस्तकें लिखी थी- कादंबरी और हर्षचरित
- ★ पुलकेशिन-II ने हर्षवर्धन को नर्मदा नदी के किनारे हराया था ।
- Banabhatta wrote two books - Kadbakri and Harshcharit.
- Pulkesin-II had defeated Harsh Vardhan along the river Narmada.

दण्डि → (Valapi)

*मध्यकालीन भारतीय इतिहास *

अरब आक्रमण

- ❖ भारत पर पहला अरब आक्रमण 712 A.D. में मोहम्मद बिन कासिम, द्वारा सिंध के शासक दाहिर के विरुद्ध किया गया था ।
- ❖ कासिम ने भारत में जजिया नामक कर को आरम्भ किया था ।

- ❖ The first Arab invasion of India was carried out against The Ruler of Sindh, Dahir, by Mohammed bin Qasim in 712 A.D.
- ❖ Qasim started a tax called Jajia in India.

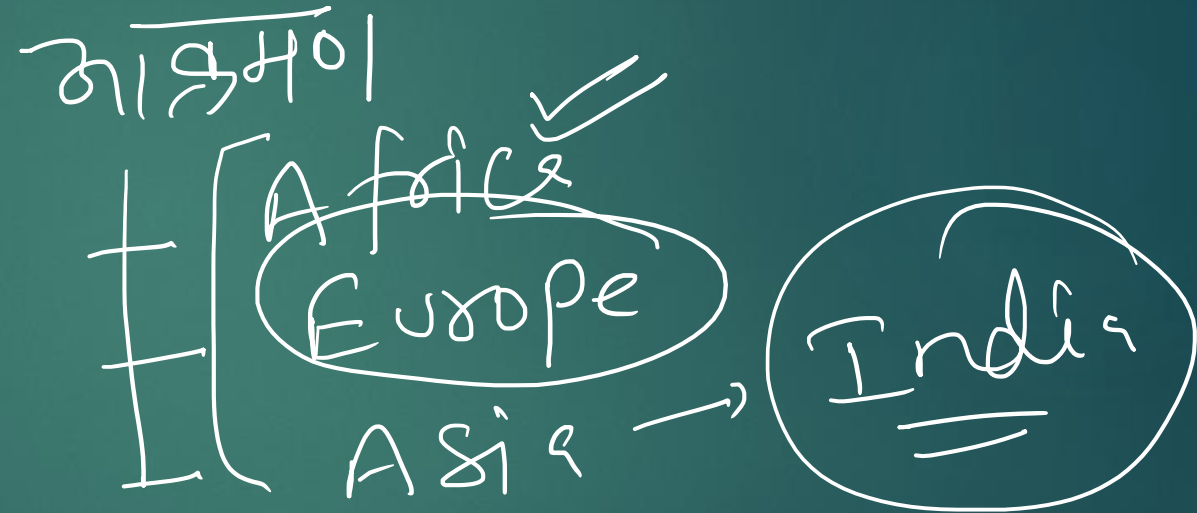
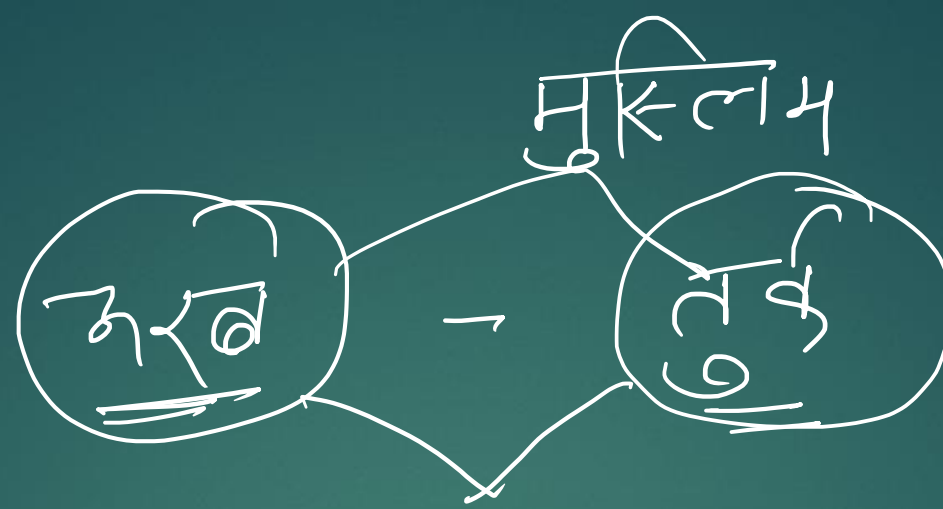
जजिया के बारे में:

- ★ जजिया गैर-मुस्लिमों से लिया जाने वाला एक प्रकार का सुरक्षा कर था ।
- ★ फिरोजशाह तुगलक ने जजिया को सर्वप्रथम ब्राह्मणों पर लागू किया था ।
- ★ अकबर ने जजिया कर को खत्म कर दिया था ।
- ★ औरंगजेब ने जजिया को दोबारा लागू किया था ।
- ★ मोहम्मदशाह ने जजिया को पूर्ण रूप से समाप्त कर दिया था ।

Security

- ❖ About Jajia: Jajia was a kind of security tax taken from non-Muslims.
- ❖ Ferozshah Tughlaq first applied Jazia to Brahmins.
- ❖ Akbar had abolished the Jajia tax. ✓
- ❖ Aurangzeb had re-introduced Jazia. ✓
- ❖ Mohammad Shah had abolished Jajia completely.

(Jajia)



- ★ भारत पर पहला तुर्क आक्रमण द्वारा अलप्तगीन द्वारा किया गया था ।
- ★ अलप्तगीन ने अफगानिस्तान में गजनी (यामिनी) साम्राज्य की स्थापना की थी ।
- ★ अलप्तगीन का दामाद सुबुक्तगीन था तथा सुबुक्तगीन का पुत्र मोहम्मद गजनवी था ।

- ❖ The first Turk attack on India was done by Alaptgeen.
- ❖ Alaptgeen founded the Ghazni (Yamini) Empire in Afghanistan.
- ❖ The son-in-law of Alaptgeen was Subuktgeen and the son of Subuktgeen was Mahmud of Ghazni.

मोहम्मद गजनवी

- ★ 17 बार आक्रमण

- ★ इसने भारत पर पहला आक्रमण 1001 में किया था।

- ★ इसका सर्वाधिक कुख्यात आक्रमण 1025 में सोमनाथ मंदिर पर किया गया आक्रमण था। उस समय गुजरात का शासक भीम-I था।

गुजरात

- ❖ Mahmud of Ghazni attacked on India 17 times .
- ❖ Mahmud of Ghazni had his first invasion on India in 1001.
- ❖ His most notorious attack was the attack on the Somnath temple in 1025.
- ❖ In 1025 the ruler of Gujarat was Bhim-I.

- ★ इसका अन्तिम हमला 1027 में जाटों के विरुद्ध हुआ था ।
- ★ मोहम्मद गजनवी को प्रतिहार शासक नागभट्ट को हराया था ।
- ★ उत्बी इसका दरबारी इतिहासकार था ।
- ★ मोहम्मद गजनवी की मृत्यु 1030 में हुयी थी ।
- ★ The last attack of Mahmud of Ghazni was against Jats in 1027.
- ★ Mahmud of Ghazni was defeated by the Pratihara ruler Nagbhatta.
- ★ Utbi was court historian of Mahmud of Ghazni.
- ★ Mahmud of Ghazni died in 1030.

Note:-

- (i) फिरदौसी ने शाहनामा पुस्तक लिखी थी ।
- (ii) अलबरूनी ने किताब-उल-हिन्द नामक पुस्तक लिखी थी ।

Note:-

- (i) *Firdousi* wrote the book *Shahnama*.
- (ii) *Albaruni* wrote a book called *KHeab-ul-Hind*.

मुहम्मद गौरी

- ❖ इसका पहला हमला मुल्तान के विरुद्ध 1175 में हुआ था ।
- ❖ गुजरात के शासक भीम-II ने 1178 में मोहम्मद गौरी को हराया था ।

Mahmud of Ghor

- ❖ First attack of Mahmud of Ghor was against Multan in 1175.
- ❖ Ruler of Gujrat Bhim-II defeated Mahmud of Ghor in 1178.

तराइन के युद्ध

- (I) 1191:- पृथ्वीराज चौहान-(III) ने मोहम्मद गौरी को हराया था।
- (II) 1192 :- मोहम्मद गौरी ने पृथ्वीराज चौहान को हराया था ।

Battles of Tarayin

- (I) 1191 :- Prithviraj Chauhan-3rd defeated Mahmud of Ghor.
- (II) 1192 :- Mahmud of Ghor defeated Prithviraj Chauhan-3rd

- ❖ 1194 में चन्दावर के युद्ध में कन्नौज के शासक जयचंद को मुहम्मद गौरी ने हराया था।
- ❖ मुहम्मद गौरी की मृत्यु 1206 में हुयी थी।
- ❖ In 1194, the ruler of Kannauj, Jaichand, was defeated by Mahmud of Ghor in the War of Chandavar.
- ❖ Mahmud of Ghor died in 1206.

↳ slave ⇒ Aibak

Note.:-

- ❖ दिल्ली की स्थापना अनंगपाल तोमर ने की थी।
- ❖ चंदबरदाई ने पृथ्वीराज रासो नामक पुस्तक लिखी थी ।
- ❖ बख्तियार खिलजी ने नालंदा विश्वविद्यालय को नष्ट कर दिया था।

Note.:-

- ❖ Delhi was founded by Anangpal Tomar.
- ❖ Chandbardai wrote a book called Prithviraj Raso.
- ❖ Bakhtiyar khalji had destroyed Nalanda University.

University

दिल्ली सल्तनत (1206-1526= 320 years)

- 1) गुलाम वंश Slave Dynasy (1206-1290) = 84 years
- 2) खिलजी वंश Khalji Dynasty (1290-1320) = 30 years (min)
- 3) तुगलक वंश Tughlaq Dynasty (1320-1414) = 94 years (max)
- 4) सैयद्द वंश Syed Dynasty (1414-1451) = 37 years
- 5) लोदी वंश Lodi Dynasty (1451-1526)= 75 years

गुलाम वंश

- ❖ संस्थापक- कुतुबुद्दीन ऐबक (1206-1210)
- ❖ राजधानी- लाहौर
- ❖ कुतुबुद्दीन ऐबक को लाखबख्स (लाखों का दान देने वाला) भी कहा जाता है ।
- ❖ कुतुबुद्दीन ऐबक ने कभी भी सुल्तान की उपाधि नहीं ली थी ।
- ❖ कुतुबुद्दीन ऐबक को दिल्ली सल्तनत और गुलाम वंश का संस्थापक कहा जाता है ।

Slave Dynasty

- ❖ Founder – Qutub-ud-din Aibak (1206-1210)
- ❖ Capital – ~~Heal~~ Lahore
- ❖ Qutub-ud-din Aibak is also known as *Lakshbaksha* (a donor of millions).
- ❖ Qutub-ud-din Aibak had never assumed the title of Sultan.
- ❖ Qutub-ud-din Aibak is said to be the founder of the Delhi Sultanate and Slave Dynasty.

- ❖ इसने दिल्ली में कुव्वत-उल-इस्लाम नामक मस्जिद की स्थापना की थी ।
- ❖ इसने अजमेर में अढाई दिन का झोपड़ा नामक मस्जिद का निर्माण करवाया था ।
- ❖ इसने दिल्ली में कुतुबमीनर का निर्माण गुरु बख्तियार काकी की याद में आरम्भ करवाया था ।

- ❖ He had set up a mosque called Kuvvat-ul-Islam in Delhi.
- ❖ He had constructed Adhai-din-Ka Jhopra mosque in Ajmer.
- ❖ He started the construction of Qutub Minar in Delhi in memory his teacher Bakhtiyar Kaki.

- ❖ कुतुबमीनार की पांचवीं मंजिल का निर्माण फिरोजशाह तुगलक ने करवाया था ।
- ❖ कुतुबमीनार का निर्माण इल्तुतमिश ने पुरा करवाया था ।
- ❖ कुतुबुद्दीन ऐबक की मृत्यु 1210 में चौगान (पोलो) खेलते समय हुयी थी ।

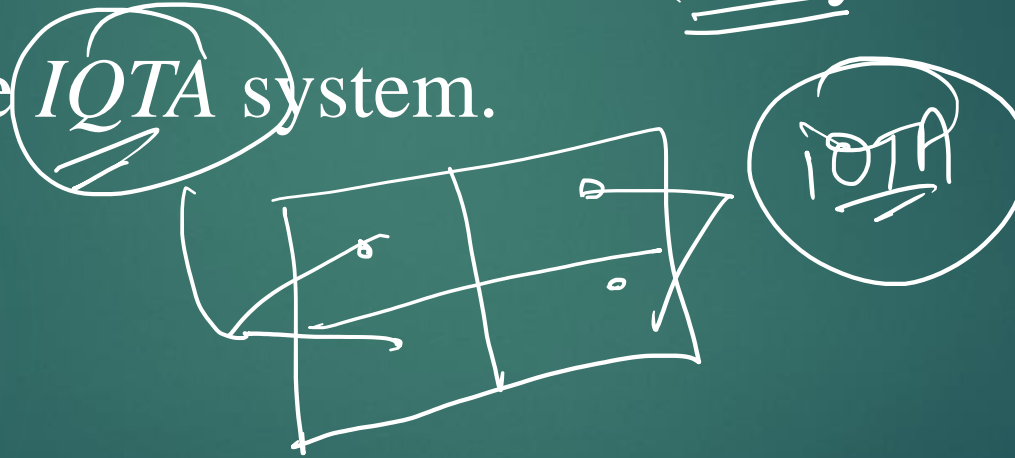
- ❖ The fifth floor of Qutub Minar was constructed by Ferozshah Tughlaq.
- ❖ Qutub Minar was completed by Iltutmish.
- ❖ Quabuddin Aibak died while playing Chaugan (Polo) in 1210.

इल्तुतमिश(1210-1236)

- ❖ इल्तुतमिश को गुलाम का गुलाम भी कहा जाता है ।
- ❖ इल्तुतमिश ने चालीसा दल की स्थापना की थी ।
- ❖ इल्तुतमिश ने इक़ता प्रथा को आरम्भ किया था ।

Iltutish(1210-1236)

- ❖ Iltutish is also known as the slave of a slave.
- ❖ Iltutmish had founded the Chalisa Dal (Forty Knights).
- ❖ Iltutmish started the IQTA system.



- ❖ इल्तुतमिश दिल्ली सल्तनत का पहला शासक था जिसने तांबे के सिक्के (नाम जीतल) चलवाए थे ।
- ❖ इसने चांदी के सिक्के भी चलवाए थे, टंका नाम से ।
- ❖ भारत पर मंगोलों का पहला हमला चंगेज खान ने इल्तुतमिश के समय में किया था ।

- ❖ Iltutmish was the first ruler of the Delhi Sultanate who started copper coins (Name: Jeetal).
- ❖ He also started silver coins in name of *Tanka*.
- ❖ The Mongols' first attack on India was carried out by Genghis Khan in the time of Iltutish.

1st Ruler of D.S., who
assumed title of Sultan

- ❖ इल्तुतमिश को दिल्ली सल्तनत का वास्तविक संस्थापक भी कहा जाता है।

Cap of Lahore -
↳ Delhi

- ❖ इल्तुतमिश दिल्ली सल्तनत का पहला शासक था जिसने खलीफा से नियुक्त पत्र प्राप्त किया था।

- ❖ Iltutish is also known as the real founder of the Delhi Sultanate.
- ❖ Iltutamish was the first ruler of the Delhi Sultanate to receive a appointment letter from the Caliph.

रजिया (1236-40)

- ❖ ये दिल्ली सल्तनत की पहली महिला शासिका थी।
- ❖ इसे अल्तूनिया ने हराया था, बाद में रजिया ने अल्तूनिया से विवाह किया था।
- ❖ इसने याकूत को अमीर-ए-आखूर नियुक्त किया था।
- ❖ रजिया की हत्या कैथल में हुयी थी।

बोर्ड

HR

1240 - 66
C puppets

Raziya (1236-40)

- ❖ She was the first woman in the Delhi Sultanate.
- ❖ She was defeated by Altunia, later she married to Altunia.
- ❖ She had appointed Yakut as Amir-e-Akhur.
- ❖ Raziya was murdered in KaHehal.

बलबन (1266-87)

❖ उपाधि - उलुग खां

❖ इसने चालीसा दल का अंत कर दिया था।

Balban (1266-87)

❖ Title - Ulug Khan

❖ He had put an end to the *Chalisa dal* (Forty Knights).

- ❖ इसने रक्त और लौह की नीति आरम्भ की थी ।
- ❖ इसने राजत्व का दैवीय सिद्धांत आरम्भ किया था ।
- ❖ इसने स्वयं को नियाबत-ए-खुदाई कहा था ।
- ❖ इसे जिल्ले इलाही भी कहते थे ।
- ❖ He introduced the policy of blood and iron.
- ❖ He started the divine doctrine of the ~~monarchy~~.
- ❖ He called himself *Niabat-e-Khudai*.
- ❖ He was also called Zil-e-ilahi.

kingship

जौली → गुलाम

Aibak

↓ slave

✓ Ilutmish

↓ daughter

Raziya

slave

Alauddin

इसने अपने दरबार में फारसी परम्पराओं को आरम्भ किया था –

He started Persian traditions in his court :

1. सिजदा Sijda

2. पाबोस Pabos

3. ~~नवरोज~~ Navroj (पारसियों का नया वर्ष, New year of Parsis)

मुक्लिम

खिलजी वंश(1296-1316)

- ❖ संस्थापक-(जलालुद्दीन खिलजी)(1290-1296)
- ❖ इसका वास्तविक नाम मलिक फिरोज था ।
- ❖ जलालुद्दीन खिलजी की हत्या उसके भतीजे अलाउद्दीन खिलजी ने की थी ।

Khalji Dynasty(1296-1316)

- ❖ Founder – Jalal-ud-din Khalji (1290-1296)
- ❖ His real name was Malik Feroz.
- ❖ Jalal-ud-din Khalji was murdered by his nephew Ala-ud-din Khalji.

अलाउद्दीन खिलजी (1296-1316)

- ❖ इसने स्वयं को सिकंदर-ए-सानी कहा था ।
- ❖ मालिक काफूर, अलाउद्दीन खिलजी के दरबार में उपस्थित था ।
- ❖ मालिक काफूर को हजार दिनारी भी कहते थे ।

Alauddin Khalji (1296-1316)

Himself

- ❖ He called ~~Heself~~ *Sikandar*-e-Sani.
- ❖ Malik *Kafur* was present at the court of Alauddin Khalji.
- ❖ Malik *Kafur* was also called *Hajar Dinari*.

❖ अलाउद्दीन खिलजी ने दिल्ली में निम्नलिखित का निर्माण करवाया था-

❖ Alauddin khalji had constructed the following in Delhi:

1. अलाई मीनार Alai Minar
2. अलाई दरवाजा Alai gate
3. चोर मीनार Chor Minar
4. हौज खस Hauz Khas
5. सीरी का किला Siri Fort

- ❖ इसने अपनी सेना में हुलिया और दाग प्रथा को आरंभ किया था।
- ❖ He started the Hulia and Brand practice in his army.

❖ कर Tax:

1. चरी Chari
2. घरी Ghari
3. करी Kari

*Crazing
House Tax*
Community Tax
सामुदायिक कर

- ❖ दिल्ली सल्तनत का पहला शासक था जिसने दक्षिण भारत को जीता था ।
- ❖ भारत पर मंगोलों के सर्वाधिक हमलें इसी के समय में हुए थे ।
- ❖ दिल्ली सल्तनत का ये पहला शासक था जिसने अपनी सेना को नकद वेतन दिया था ।
- ❖ दिल्ली सल्तनत का ये पहला शासक था जिसके पास स्थायी सेना थी ।

- ❖ He was the first ruler of the Delhi Sultanate to win South India.
- ❖ Most of the Mongols attacks on India occurred during his time.
- ❖ He was the first ruler of the Delhi Sultanate to pay salary in cash to his army.
- ❖ He was the first ruler of the Delhi Sultanate to have a permanent army.

- ❖ इसने राणा रतन सिंह को हराकर चित्तौड़ को जीता था ।
- ❖ अलाउद्दीन खिलजी ने चित्तौड़ का नाम खिज़्राबाद रखा था ।
- ❖ चित्तौड़ के युद्ध में अमीर खुसरो भी उपस्थित थे ।
- ❖ He had won *Chhittor* by defeating Rana Ratan Singh.
- ❖ Alauddin khalji named *Chhittor* as Khizrabad.
- ❖ Amir Khusro was also present in the Battle of *Chhittor*.

तोता - र -
हिंद

- ❖ अलाउद्दीन खिलजी की हत्या मालिक काफूर ने की थी।
- ❖ दिल्ली सल्तनत का ये पहला शासक था जिसने खलीफा की आज्ञा मानने से इंकार कर दिया था।
- ❖ इस वंश का अंतिम शासक मुबारक खिलजी था।

बाबर सुधार
Miskat Reforms

सर्व किस विवरण जुगली
P.D.

- ❖ Alauddin khilji was murdered by Malik Kafur.
- ❖ He was the first ruler of the Delhi Sultanate who refused to obey the Caliph.
- ❖ The last ruler of this dynasty was Mubarak khilji.